गई परिसम्पत्तियां अस्तित्व में नहीं थीं ।

(3) लगभग 10 प्रतिशत मामलों में दी गई सहायता परिसम्पत्तियां प्राप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं थी ।

(4) लगभग 20 प्रतिशत नमूना लाभार्थियों को भारत सरकार की मार्गदर्शिकाओं के अनुसार ग्रामसभा में नहीं चुना गया था ।

समवर्ती मूल्यांकन द्वारा प्रकाश में लाई कमियों को उपचारात्मक कार्रवाई करने के लिए राज्य सरकार के ध्यान में लाया गया है ।

भगीरथ पत्रिकाओं का सम्पादक मंडल

2465. **श्री राम नरेश कुशवाहा** : क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) "भगीरथ" नामक पत्रिका के संपादक मंडल के गठन तथा उसके कार्यकलाप के क्या नियम हैं ;

(ख) पुनर्गठित मंडल के सदस्यों के नाम तथा योग्यतायें क्या हैं और पूर्व मंडल के लेखकों तथा सदस्यों को निकालने के आधार क्या हैं ; और

(ग) इस संबंध में संवैधानिक प्रावधानों की उपेक्षा को दूर करके उसका उचित ढंग से गठन करने के लिये क्या कार्यवाही किये जाने का प्रस्ताव है ?

जल संसाधन मंत्री (श्री वी० शंकरानंद) (क) से (ग) संपादकों का कोई मंडल नहीं है । तथापि, भगीरथ (हिन्दी) और भगीरथ (अंग्रेजी) के लिये संपादकीय मंडल है । संपादकीय मंडलों के कार्य-कलापों को ध्यान में रखते हुये इनका गठन। पुनर्गठन किया जाता है । संपादकीय मंडलों के सदस्यों के नाम तथा उनकी योग्यतायें संलग्न विवरण में दी गई है ।

विवरण

क्रम सं०	नाम सर्वश्री	पदनाम	शैक्षिक योग्यताएं	टिप्पणियां
1	2	3	4	5
	भागीरथ (हिन्दी) :			
1.	कुरियन मैथ्यू	मुख्य इंजीनियर	बी० ई० (सिविल	अध्यक्ष
2.	*वी० पी० गोविन्दादास	निदेशक	बी० ई० सिविल)	सदस्य
3.	एस० एस० मनोचा	निदेशक	बी० एस० सी० (इंजीनियरी)	सदस्य
4.	एम० एस० बिसारिया	निदेशक	बी० एस० सी० बी० ई०	सदस्य
5.	एस० एस० पाहुजा	उप निदेशक	बी० एस० सी० सिविल इंजीनियरी)	सदस्य

1	2	3	4	5
6.	आर० एस० पाण्डेय	निदेशक	एम० ई० (डब्ल्यू आर० डी०)	सदस्य
7.	आर० एन० पी० सिंह	उप निदेशक	बी० एस० सी० (इंजीनियरी) एम० टेक (संरचना इंजीनियरी)	सदस्य
8.	रिक्त	सम्पादक		चयन किए गए अभ्यार्थी को नियुक्ति प्रस्ताव भेज दिया गया है ।
	भगीरथ (अंग्रेजी)			
1.	कुरिगान मैथ्यू	मुख्य इंजीनियर	बी० ई० (सिविल)	अध्यक्ष
2.	*बी० पी० गोविन्दादास	निदेशक	बी० ई० (सिविल)	सदस्य
3.	जड० हसन	निदेशक	बी० एस० सी० (सिविल इंजीनियरी आनर्स) पी० जी० डिप्लोमा (संरचना इंजीनियरी)	सदस्य
4.	आर० वी० राव०	निदेशक	जल संसाधन विकास में स्नातकोत्तर	सदस्य
5.	पी० सचिदानन्द	निदेशक	बी० एस० सी० (सिविल इंजीनियरी)	सदस्य
6.	एम० एस० बवेजा	निदेशक	बी० एस० सी० (इंजीनियरी) एम० टेक०	सदस्य
7.	आर० एस० पाण्डेय	निदेशक	एम० ई० (डब्ल्यू० आर० डी० बी० ई० (विद्युत)	सदस्य
8.	रिक्त	सम्पादक		पद का विज्ञापन दे दिया गया है ।

*श्री वी० पी० गोविन्दादास, निदेशक के सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर सेवा निवृत्ति होने के परिणामस्वरूप श्री सुरेश चन्द्र कार्य देख रहे हैं । श्री सुरेश चन्द्र की शैक्षिक अर्हता बी०एस०सी० (सिविल इंजीनियरी) है ।

दोनों पत्रिकाओं के संपादक के पद जो इस समय रिक्त हैं, जब तक नहीं भरे जाते तब तक संपादक मंडलों के विचार विमर्श में सहायता देने के लिये सहायक संपादक (भगीरथ पत्रिका) तथा सहायक निदेशक (प्रचार) क्रमशः भगीरथ (हिन्दी) और भगीरथ (अंग्रेजी) के संपादक मंडलों की बैठकों में भाग लेंगे ।

Scab-resistant varieties of apple

2466. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there have been conflicting claims and contests over development of scab-resistant apple varieties by Scientists as reported in 'Times of India' of 6th October, 1986, if so, the details thereof;

(b) whether it is also correct that there have been several contests claims regarding coconut will disease and break through in pulse varieties over the last four years and if so, the details thereof; and

(c) whether similar contested claims by Indian Council of Agricultural Research (ICAR) and Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) Scientists were earlier looked into by any high powered committees, if so, the steps taken and reasons for such continued unsubstantiated claims?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI YOGENDRA MAKWANA): (a) According to the press report of Times of India dated 12-8-86, the Vice-Chancellor of the Y.S. Parmar University of Horticulture & Forestry, Solan is quoted as saying that the University Researchers have been able to achieve a breakthrough in evolving four hybrid apple varieties which are also resistant to the dreaded scab disease. This claim has been contested by Dr. K. D. Farooqui of Sher-e-Kashmir University of Agricultural Sciences & Technology in Times of India dated 6th October, 1986. According to Dr. Farooqui, the Himachal hybrids whch have been evolved by crossing with Ambri Kashmir variety are not resistant to scab. Enquiries from the concerned sicentists of Dr. Y. S. Parmar University of Horticulture & Forestry, Solan have revealed that four newy deveoped varieties of apple were not bred for scab resistance, but were tested for their reaction to scab under field conditions in 'hot spots' and also by artificial inoculation. These varieties have reamined free from scab in 1978, 1979, 1980, 1981, 1984, 1985 & 1986. However, in 1982 and 1983 under severe epiphytic condition (extremely wet weather), these varieties did show development of scab lesions on the foilage. Based on infection rating all the four apple hybrids were observed to possess high tolerance to scab in comparison to standard varieties.

(b) The casual agent of the coconut root wilt disease has not been conclusively established. The past work has indicated the possibilities of association of fungi, bacteria, namatode, viruses and more recently Myoplasma like Organism(s) MLOs which in some respect resemble the viruses. Since viruses and MLOs are obligate parasitic organisms, it is not possible to culture and conduct pathogenicity test conclusively. This is the main reason why the final identity of the causal agent has remained unsettled. There is no conflict otherwise.

In the last 5 years, 26 new varieties of pulses have been developed which exhibit high yielding ability along with tolerance to one or more major diseases.

(c) Except for the ICAR Inquiry Committee Report in 1973 under the Chairmanship of Shri P. B. Gajendragadkar, Retired Chief Justice of India, we are not aware any such contested claims nor about the formation of a high powered committee of the ICAR/CSIR.